सास्यि (2. स + श्र°) adj. Knochen habend, subst. ein solches Thier: °वध Jáéx. 3,275. Verz. d. Oxf. H. 281,b,22.

सास्थितामार्ध n. Messing Trik. 2,9,33.

साह्री f. Unadis. 3,15. Wamme, Brustlappen (beim Rindvieb) AK. 2, 9, 63. TRIK. 3,3,384. H. 1264. Halâj. 2,111. Pat. in Sarvadarçanas. 141,6. Schol. zu Ait. Br. 7,1. बङ्खसाह्रगल Райбав. 3,5,19. चलहुत्साह्मम् adv. Çiç. 5,62.

साम्लादिमस् mit einer Wamme u. s. w. versehen Sau. D. 10,3. 5. साम्लावस् adj. wammig: Rind Kan. 2,1,8.

साल (2. स + 최ल) adj. (f. 최) mit Thrünen versehen, weinend Маййи. 93,12. Месн. 100. नयन, दृष्, दृष्टि R. 3,27,6. 29,15. Катна́s. 18,328. 23,71. ंम् adv. Rach. 13,32. Die Bomb. Ausgg. schreiben 최ल, nicht अग्र (wohl aber 원편).

सास्वाद्न (2. स → ঘা°) n. (sc. स्थान) Bez. der zweiten unter den vierzehn Stufen, die nach dem Glauben der Gaina zur Seligkeit führen, Verz. d. Oxf. H. 397,α,9.

साव्ह s. 2. सक्.

1. सार्के (von 1. सक्) adj. = सक् gaṇa डेवलादि zu P. 3,1, 140. gewaltig RV. 8,20,20 (सक् Padap.). am Ende eines comp. (साक् und षाक्) überwindend, widerstehend: सर्वसपत्न अВн. 4,1681. 8,4592. मित्र 4296. 4306. 4681. मित्र 7,5839. 12,1506. रिपुवीर्घ 8,4678. — Vgl. मित्र , मित्र , मित्र , नात , शत्रु (auch МВн. 1,7154), शब्द , सत्रा , सपत्न , सभा , सर्व .

2. सारु m. = oli in प्रदीप॰ und मधुकर॰. — Vgl. सार्कि. साक्कायर्गे adj. von सक्क (v. l. für सिंक्क) gaṇa पतादि zu P. 4,2,80. साक्कार (2. स + चर्के॰) adj. von Selbstbewusstsein erfüllt Ráéa-Tar. 5,234. वचस् Катия. 60,189.

साक्चर adj. an der Pflanze सक्चर befindlich u. s. w.: पुष्प Suça. 2,151,20.

साङ्चर्य (von सङ्चर्) n. das Zusammensein, Zusammenstehen, das Verbundensein Nir. 2, 20. 28. 3,16. 7, 8. 11, 5. Ragu. 16, 87. Kumāras. 3,21. Spr. (II) 7202. Mālatim. 6,2. AK. Einl. Çайк. zu Kuānd. Up. S. 66. Sāh. D. 17,10. Tarkas. 29. Schol. zu P. 1,3,19. 6,3,26 (am Ende eines adj. comp.). Siddh. K. zu P. 2,2,11. 3,1,56 (mit instr.). Comm. zu TS. Prāt. 13,14. 14,15. 16,13. 26.

साक्तिक m. N. pr. eines Mannes Raga-Tar. 8, 1087.

साक्ञ m. N. pr. eines Fürsten Habiv. 1845. — Vgl. साक्ञि.

सारुञ्जनी f. N. pr. einer von Såhańga erbauten Stadt Hanv. 1846. सारुञ्जि m. = सारुञ्ज VP. 4,11,3.

माक्देव m. patron. von सक्देव P. 4,1,114, Schol.

साँहरेवन m. ein Verehrer von Sahadeva P. 4,3,99, Schol.

सारुदेवि m. patron. von सरुदेव MBH. 3,10422. 7,4062. Rága-Tar. 8,2067 (सरु ogedr.).

सारुदेट्य m. desgl.: कुमार RV. 4,15,7. 8. Air. Ba. 7,34.

सिक्ट्यें adj. so v. a. सक्ट्य. Soma AV. 6,7,2. Agni TS. 2,2,3,4.

साङ्घ nom. ag. vom caus. von 1. सङ्घ P. 3,1,138. Vop. 26,35.

सारुस (von सरुस्) 1) adj. a) Bez. Agni's beim Pakajagna Grujas. 1,8. — b) übereilt, unüberlegt: वचस् Hariv. 15576. मा वादी: सारुसम् 15582. - 2) n. TRIK. 3, 5, 7. SIDDH. K. 249, b, 7. auch m. Vaig. beim Schol. zu H. 736. a) Gewaltthat, Gewaltthätigkeit AK. 2, 8, 4, 21. H. 736. an. 3,759. Med. s. 44. M. 7,48. 8,6. 72 (pl.). 332. 345. सारुसे वर्त-मान: 346. Jagn. 2,10. 72. 232. Vop. 23,25. — b) Ueberanstrengung: माङ्-सानि सेव KARAKA 1,28. 2,6. — c) m. n. Strafe, insbes. Geldstrafe AK. 2, 8,4,21. H. 736. H. an. Mgd. M. 8,120. 138. 263. 276. 354. 9,240. fg. 279. 281, 286, Jign. 1,66, 365, 2,153, 250, Spr. (II) 1682. - d) Wagniss, eine verwegene (in gutem und in schlechtem Sinne), tollkuhne, übereilte oder unbesonnene Handlung H. an. R. 2, 106, 13. 3, 33, 2. Suga. 2, 164, 6. Kim. Nitis. 14, 56. Çıç. 9, 59. Spr.(II) 179. 328. 706. 833. 1038 (pl.). 1247. 3048. 3485. 3669. 7204. 7494. 7565. VARAH. BRH. S. 69,28. BRH. 10,2. 21,9 (oder Gewaltthat). Катная. 21,97. 25,103. 178. °Цन adj. 27,208. 30,75. 42,24. 43, 202. 49, 52. 61, 262. Raga-Tar. 4, 564. 6, 145. Daçak. 75, 18. Pankat. 135,8. Hir. 100,3. 103,3. Ver. in LA. (III) 28,9. के। कि नाम भवेनार्थी साक्तेन समाचरेत् мви. 1,7958. साक्सम् अन्-स्था мыйы. 59,1. अङ्गी-कार Катиля. 25,225. तन 32,87. मध्यव - सा Dagak. 143,6.7. मन-लम्ब Z. d. d. m. G. 14,571,17. ah MBu. 1,7792. 3,17259. 4,664. 13,1898. R. GORR. 2,59,20. Spr. (II) 6221. 6886. KATHAS. 10,57. 18,324. 26,238. 34,187. 36, 30. 42,174. 52,163. Pankar. 135,6. क्ये क्यं क्यं सत्योहाङ्ग-साइसम Катная. 110,38. am Ende eines adj. comp. (f. आ) Sugn. 1,192, 6. Malatin. 75, 12. Kathas. 27, 202. 夏田孝 sind die Weiber 77, 47. प्रिप॰ desgl. 18, 323. Spr. (II) 7197. प्रियसाक्सत्व 2604. म्रति॰ MBs. 3,1632. 4,2166. MRKEH. 64,24. VARAH. BRH. 21,8. - e) = EQ H. an. साक्सवत् (von साक्स) adj. verwegen, tollkühn Vanan. Вян. 13,7.

सारुसाङ्क (सारुस + श्रङ्क) m. N. pr. verschiedener Personen Verz. d. B. H. No. 587. Verz. d. Oxf. H. 119, a, 6. 7. 124, b, 18. fg. 183, a, 3. 187, b, 18 v, u. 188, a, 20. 25. 27. 189, b, 13. HALL 161. in der Einl. zu Vâsavad. 18. Z. d. d. m. G. 27,77. = विक्रमादित्य батады. im ÇKDa. सारुसाङ्कीय adj. des Såhasåñka: °संमिति Verz. d. Oxf. H. 135; b, No. 255.

साङ्सिके 1) adj. (f. ई) = सङ्सा वर्तते P. 4, 4, 27. a) gewalthätig verfahrend, der sich Gewalthaten zu Schulden kommen lässt AK. 3, 4, 28, 219. M. 8, 344. 347. 386. MBH. 13, 2092. — b) über seine Kräfte sich anstrengend Karaka 2, 6. — c) verwegen (in gutem und schlechtem Sinne), tollkühn, unbesonnen zu Werke gehend: प्रयत्नार्प पदा नाले लिवार्प करोति यः । स साङ्गिसकः UTPALA zu VARÂH. BṛH. 13, 7. R. 4, 22, 4. Kâm. Nîtis. 17, 33. Mâlatim. 9, 4. 5. 64, 4. Spr. (II) 665. 1964. 2896. 3331. 4533. VARÂH. BṛH. S. 101, 13. BṛH. 18, 3. KATHÂS. 18, 325. 25, 220. 33, 195. 64, 60. 112, 156. SÂH. D. 11, 1. RĂĞATAR. 8,558. Z. d. d. m. G. 27,79. किंचित्त साङ्गिसकास्त्रिलाचनमिति पेढुः Mallin. zu Kumâras. 3,44. मिति Pankat. 241,3. मिला Sarvadarçaras. 26,14. मिना Vet. in LA. (III) 4,4. मि Çıç. 9,59. — 2) m. N. pr. eines Kochs Kathâs. 20,198. fgg. — Vgl. मिला (vgl. auch 1) b) am Ende).

साक्सिकता (von साक्सिका) f. Verwegenheit, Tollkühnheit Katbås. 37, 170. Verz. d. Oxf. H. 253, a, 13. — Vgl. मक्ा॰.

साक्सिका (von साक्सिका) n. Gewaltthätigkeit P. 1,3,32.

साक्तिन् (von साक्स) adj. 1) = साक्तिक 1) a) Nârada im Vjavamârat. nach ÇKDr. Jâch. 2,71. — 2) = साक्तिक 1) b) Spr. (II) 3669.